

है 4. गाय, बैल के पेट का दर्द या मरोड़ 5. पेड़ से फल तोड़ने का बांस या डंडा।

अँकना अ.क्रि. (तत्.) लिखा या आँका या कूता जाना।

अँकवाई स्त्री. (तत्.) (देश. आँकना) 1. अँकवाने (मूल्यांकन कराने) की क्रिया या भाव 2. अँकवाने की मेहनत, पारिश्रमिक।

अँकवाना स.क्रि. (तत्.) आँकना क्रिया का प्रेरणात्मक रूप) 1. किसी अन्य से आँकने का कार्य करवाना 2. मूल्यांकन करवाना 3. किसी से अंकन या चित्रण करवाना 4. किसी से जाँच करवाना 5. किसी वस्तु का मूल्य निर्धारित करवाना।

अँकवार स्त्री. (तद्.) 1. अंकपालिका, अंकवारिया 2. हृदय 3. गोद 4. आलिंगन।

अँकवारना स.क्रि. (तद्. अँकवार) 1. किसी को प्रसन्नतापूर्वक आलिंगन करना 2. मिलकर गले लगाना 3. सहर्ष गोद में भरना।

अँकांतर स. क्रि. (तत्.) अंक बदलना, मूल से अंक उतार कर दूसरी प्रतिलिपि में भरना।

अँकाई स्त्री. (तत्.) 1. आँकने की क्रिया या भाव 2. अनुमान। अटकल 3. आँकने का पारिश्रमिक या मजदूरी 4. फसल में से जमींदार और काश्तकार के हिस्सों का निर्धारण।

अँकाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु आदि की किसी से जाँच करवाना 2. चिह्नित करवाना 3. अंदाजा लगवाना 4. मूल्य लगवाना।

अँकावतार पुं. (तत्.) रूपक का वह दृश्य जिसमें प्रथम अंक की वस्तु का विच्छेद किए बिना दूसरे अंक की वस्तु चले।

अँकास्य पुं. (तत्.) रूपक का दृश्य जिसमें एक अंक की समाप्ति पर अगले अंक के आरंभ की सूचना पात्रों द्वारा दी जाए।

अँकित वि. (तत्.) 1. निदान किया हुआ, चिह्नित, जिस पर छाप या मुहर लगी हो 2. लिखित 3. वर्णित 4. चित्रित

अँकुड़ा पुं. (तद्.) 1. लोहे का बना एक विशेष ढंग का काँटा जो किसी चीज को फँसाने या टाँगने आदि के लिए काम आता है, कुलाबा 2. किवाड़ की चूल में ठोकने के लिए लोहे का पच्चड़ 3. बुनकरों का एक औजार 4. पशुओं का एक रोग।

अँकुड़ी स्त्री. (तद्.) 1. लोहार का एक औजार 2. हल का फाल लगने वाला भाग 3. तांगा/इक्के के पहिये के जोड़ों पर लगने वाली कील।

अँकुरना अ.क्रि (तद्.) [तत्. अंकुरण] 1. किसी बीज या पौधे में अंकुर फूटना या उगना, अँखुआ फूटना, अंकुरित होना।

अँकुराना स.क्रि (तद्.) (अँकुरना की प्रेरणार्थक क्रिया) अंकुरित कराना, अंकुर उत्पन्न कराना स.क्रि. अंकुर फूट पड़ना/निकलना।

अँकुरित यौवना स्त्री. (तत्.) वह कन्या जिसके यौवनावस्था के चिह्न निकल रहे हों, उभरते यौवन वाली बालिका।

अँकुरी स्त्री. (तत्.) 1. वह अन्न जो पानी में भिगोने के कारण अंकुरित हुआ हो, अंकुरित अन्न जैसे- भिगोए हुए अन्न चने, मूँग आदि।

अँकुसी स्त्री. (देश.) 1. बाहर से अगड़ी या सितकनी खोलने की लोहे की टेढ़ी छड़ 2. लोहे की झुकी हुई कील, हुक 3. भट्टी की राख निकालने का एक औजार 4. नारियल की गिरी निकालने का एक छोटा औजार 5. लग्गी के सिर पर बँधी छोटी लकड़ी जो फल तोड़ने में प्रयुक्त की जाती है।

अँकोर पुं. (देश.) 1. अँकवार 2. गोद 3. नज़र 4. भेंट 5. घूस प्रयो. टका लाख दस दीहन अँकोरा 6. कलेवा 7. तृप्ति 8. गजक 9. नशा

अँकोरना स.क्रि. (देश.) 1. किसी को गले लगाकर मिलना, आलिंगन करना। 2. घूस या रिश्वत देना 3. भेंट देना 4. भूँजना।

अँखड़ी स्त्री. (देश.) 1. आँख, नयन 2. चितवन